

leadership, the UHV team made several important contributions including achievement of vacuum level of 10-9 mbar and 10-12 mbar in Indus-1 and Indus-2 respectively. Shri Shukla was member of several committees like Accelerator Group board, Programme monitoring committee for accelerators, Scientific Committee of RRCAT and Training school committee. RRCAT family wishes him and his family a fruitful, happy and fulfilling retired life.

Shri Rajvir Singh, SO/G, Accelerator Component Design and Fabrication Section retired on superannuation on 30th June 2013. He was born on 19th June 1953 at Mianpuri district of Uttar Pradesh. He joined Heavy Water Division of BARC in the year 1983. He moved to RRCAT in 1987 and joined Workshop-A in Vacuum design section. His field of specialization was design and fabrication of pressure and vacuum vessels. His major contributions include the successful development of vacuum



degassing and brazing furnace. He also contributed in the field of Fire and safety at RRCAT. He took a leading role in the testing of overhead cranes as per the relevant standard.

RRCAT family wishes him and his family a fruitful, happy and fulfilling retired life.

N.8: आरआरकेट में माह जनवरी, 2013 से जून, 2013 तक की अवधि के दौरान हिन्दी के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ :

हिन्दी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजभाषा शील्ड : राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन तथा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में वर्ष 2011-12 के दौरान राजभाषा हिन्दी के लिए एक उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर को दिनांक 17 जनवरी 2013 को परमाणु खनिज प्रभाग (एएमडी), जयपुर में परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा आयोजित 14वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। यह शील्ड पञ्जव के अपर सचिव एवं अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति, डॉ. सी.बी.एस. वेंकटरमण की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, प्रसिद्ध साहित्यकार, नई दिल्ली (भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित) द्वारा प्रदान की गई। केन्द्र की ओर से उक्त शील्ड श्री जय नारायण सोनी, उप निदेशक (राजभाषा) ने प्राप्त की। इसके पूर्व भी केन्द्र को यह राजभाषा शील्ड वर्ष 2002-03 तथा वर्ष 2009-10 में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन तथा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए प्राप्त हुई। इस अवसर पर डॉ. पी.डी. गुप्ता, निदेशक, आरआरकेट एवं श्री बी.के. जेना, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने केन्द्र के चल रही हिन्दी के प्रचार-प्रसार से संबंधित गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया और आशा की कि केन्द्र में हिन्दी की और गतिविधियाँ जारी रहेगी तथा

राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भरसक प्रयास किए जाएंगे। विश्व हिन्दी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन : आरआरकेट की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से विश्व हिन्दी दिवस, राजभाषा वार्ता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मंगलवार 10 जनवरी, 2013 को प्रातः 10.30 बजे आरआरकेट के मुख्य सभागृह में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वार्ताकार के रूप में श्री हरेराम वाजपेयी, सदस्य, हिन्दी सलाहकारी समिति, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार तथा प्रसिद्ध साहित्यकार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री के. रमेश, स्थानापन्न मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने की। इस अवसर पर श्री आर. सत्यमूर्ति, संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य वार्ताकार श्री हरेराम वाजपेयी ने "संपर्क भाषा, राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा" विषय पर अपनी वार्ता प्रस्तुत की। इस अवसर पर हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।



राजाभाषा शील्ड लेते हुए श्री जय नारायण सोनी, उपनिदेशक (राजभाषा)

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन : दिनांक 12.02.2013 को वृत्तिका प्रशिक्षणार्थियों (श्रेणी-I एवं II) के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 23 प्रतिभागियों (19 वृत्तिका प्रशिक्षणार्थियों (श्रेणी-I) तथा 04 (श्रेणी-II) को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में संघ की राजभाषा नीति, आचरण नियमावली, पेंशन, आरटीएफ, छुट्टी यात्रा रियायत, लेखा से संबंधित विभिन्न मुद्दे आदि विषयों पर व्याख्यान आयोजित किए गए। इसी प्रकार दिनांक 09.04.2013 का प्रशिक्षणार्थी वैज्ञानिक अधिकारियों (डब्जी) के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 14 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यशाला में संघ की राजभाषा नीति, केन्द्रीय आचरण नियमावली, कंप्यूटर में हिन्दी का प्रयोग, लेखा से संबंधित मुद्दे, क्रय पद्धति आदि विषयों पर व्याख्या दिए गए। कार्यशाला में प्रशिक्षित सभी कर्मचारियों से अपने रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करने का अनुरोध किया गया है।

प्रस्तुति:

जयनारायण सोनी (jnseni@rrcat.gov.in)
सहायक निदेशक (राजभाषा)